

Devotional
work in Kashmiri
language
unpublished

०१८०४
काश्मीरी।

184

पटि. सं. 4063

53

काश्मीर भाषा

ग्रन्थ

१७ अक्षर

1. 10/10/10

10/10/10

ॐ

हृंगलम हृंगलम मन्त्रिणसुतेय ॥ विप्रकटाहोपा
विनायका मन्त्रिवल्लुकासुतेय ॥ ० ॥ गन्धर्वाभिर्भु
रवरु भुवकभाधिगहोपाभवगा यमरु उरु
नुकमु पूगवनाहणभुतेय ॥ ३ ॥ होपागोह
एगपासुगी ममंडपणहोपासवि गणम
विहोपाप्रयाहिलिमना भैकिभिष्टुतेय ॥ ३
मिवनननाहवठनना प्रयाभिकरुडेदेपूठे ।

मिवमवु सुमिवयभा भया हमाड भुतेय ॥ म
मुदिमिउ वृणयकुग नममुपुन किम । सुते
मिउना मिमु नमरि एमभा उमु जतेय ॥ ५॥
रुधवृथिका हेपा मलेपका निहमुमु भयाय
पा भापममा डमा हेली वमया हे यभा हडा
मया सुतेय ॥ १॥ ॥ रंमुपुहडा मयाका नी
नकलमा भवम गळि नकेनि काले डमेभा ह
पुतेयेमया सुतेय ॥ १॥ = (नं १।

ॐ ममभन्त गेपल कडिका मा नम लाल ॥ -
सुलोपा लगी मा प्रयमण र धूँ उट्टा कुडा कुडा
काल म्ठम मेना सकल ॥ ० ॥ प्रियम मुनि ५
लहं न रुलगहं मे मा यड लला मुना मुं कुडा
मल ॥ ३ ॥ ममावी मा कुगमलं मा मडा मुना
वगहं मड नेडं न निमल ॥ ३ ॥ मा मा कवडं क-
पाकम मनमं ए लेमा कौकल कगषु उट्टा वलि
राल ॥ ४ ॥ प्रियम मुटे कडिओ मुम मेन मा युमा मा

कल जीवरचना कदिमभान ॥ ५ ॥ मममम
 गीमममुडम नमनमययंउम एयकादा वम
 पदमन ॥ ७ ॥ कलमेधमरु गयम कपलिन
 एनाकपलय वमरुना सुयन्याल ॥ १ ॥ ऊव
 मीमपुया मपानम मचुड विमकनवि ठति
 नुमिा कपाल ॥ ४ ॥ कलमृनेया एयपम
 मम विडकि नमवि एयहिंमुना एयमन
 ॥ ७ ॥ पूहिमयममा वम एयकदिमम
 ममम नीलकन विमकपाल ॥ कडि ॥ ०.१ ॥

चिन्मैकनडापमनियेडलल मभसुन्दरदर्शनदेत
 लल ॥ १ ॥ वृद्धभृगुविरुडभागुनवकुमाकविर्मेना
 इविनडलल ॥ २ ॥ देविमुरेदं देवि ३ ॥ मेरुषाभिदेल
 मेरुललवेनाषवेनंलिडलल ॥ ३ ॥ युरणयभा
 उनमियाकिनडाभृयभापयमरिमुडययभाभि
 डलल ॥ ४ ॥ मियाकाकाकम्रकहेनयेवना
 कडाडिमुठिभृगुनिपासपडलल ॥ ५ ॥ भृगुभा
 डललनामलकुडाणवलेहेगुभाकडडलल ॥

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

गमियावैहना वडलल ॥ ०३ ॥ कलभिमृष्टमया
 नभुनेया। दगल्लकुसमाभमदल। छिड लल ॥ ०८
 नीलकभयमूज लकिया छिमीपाप। उमहेभमया
 भमिगागड लल ॥ ०५ ॥ (नं ३)

छिडल्ल ३ उमंल्ल के वा कल। प्रभवाप। भचम
 भमल ॥ ॥ प्पणा। कुकुवण्य। मा। ककुनि। दयगा। कु
 या। मयभा। भमिद। नया। का। लल। लल। डकल ॥ ०१ ॥

भाषा विष्णु उमि न उमा मि न। श्री न उदं मुणी ने
 धा भन। श्रियम ल्पु यामने का भल। ए ल। ॥ १ ॥
 भउमा भउना पुम भन। सुमडा समेषा समवा भ
 ठन। मम ल। ममीषा भठन। मं मल। ॥ ३ ॥ क
 वा उ वडा मु धन न। दि। ग। स। मं मं की वा प्रवनि।
 छिडी वे छे मम क ल। ॥ ५ ॥ ठे भन। म न मं रण न
 रण। ववीषा म्ये छि। ए पनी न। उवी वा मुद मं मं म
 वी भल। ॥ ५ ॥ इलीषा उण वण। पुन। उ। म्रिया ए ल
 ये क भा र्णे। ते ठे भि म म। ल। उ। म्मी न। म्मी ठे म।

सुत्राएल ॥ १॥ गठिना यिना येमापसुया मिय
कना ठैका कनमसुएना महना विगना कना ठवि
मिदमिफेलाकला ॥ १ ॥ सुठिना कउविमल्लना सुसुद्ध
। यउसुगळउसुएल्ले गं गला ॥
सुभिहमा मविपउटे एषवा मभमूमा वसुवभव ॥ ३
भा इवा सुहलापगपा ठनापदिमुरा ॥ ७ ॥ दंभ
सभीषा सुभठना कवा दंभठना पैहुरुणा मंएवा
मभूषा मना ॥ १० ॥ मनु रि लेनिभा
रि केया काहगा निहुनि लेनिभारि केया काहगा

वैष्णवनिप्रहृभवत् ॥ ०० ॥ सुनीरक ठूक भिम्भ
भा नमीउपमधनभाकभा सुभडी नाउषा भ भम्भ
रत्न ॥ सुप्रवाण ॥ ०४ नं ८ ।

विष्णुनांसीउपनाकवागुषुनल सभकु थाभ
म्यालवि ॥ भम्भु थापनावनैकथाल मम्भु पानन
निलवि ॥ ० ॥ गम्भडभडा मडीकु न्नि सुगप
ल भम्भापनाठम निम्भलवि ० सुभ भदि सुग भव
रकुथल ॥ ४ ॥ श्रीरकुडा क्का म्भि म्भि गे भम्भु म्भु

वलथानाहं यत्तिना वलवि सुया सुभाना हृडी
 गमा वल ॥ ३ ॥ पीडां वलम सभगा विधाल भुम्भ
 हृदयेनिल लवि मरुद्विपाद्वि हृत्तिभक्तु माल ॥ ४ ॥
 कीप भनाना हृद्विपाल मालेउल विपागडा पा
 थलवि का भदाल वला हृमा भगण माल ॥ ५ ॥
 विगभिगा गुं कुडाणन सिनानिनिवपीषा थलवि
 भुलाहृड सुगहियन नग थाना एल ॥ ६ ॥ उव
 भा सुवलन यमि हृद्वि एल डागमी हृत्तिव थलवि
 भागुमा विगनाना भिभगा वल ॥ ७ ॥ ५५॥

लपषागकायभिकलिकल ऊडिकलकावाभापल
 वि कलिकलविगानना गवना गल ॥ ३ ॥ हुनैका
 धरुष्टवाभालभूल हुनैकाप्रयनिवाएलवि।
 मभाष्टडासम ३ हुनैमिडवल ॥ ७ ॥ मडुष्टडावगा
 डिडाधुडिधाल सुधुडलना मभगा गलवि हया
 ह्यमिगिएलमिमवल ॥ ०० ॥ यणकलामि
 मउहाधुगकैडकल ~~विम~~ काना ममिनु
 गलवि मभाठकागद्विनाप्रयमडनल ॥

नं ९ ॥

ਤਿੰਮਨਿਮਲਾ ਲਲਵਡੀ ਕਹੁਯਾਲਾਲ ਚਯਕਾ ਚਾਲ
 ਸਿਖਾਲਵਿ ॥ ਗੋਪਿਯਨ ਮੁਤੀਨਾ ਮਾਤੁ ਨਿਲਾਲ ਸਾਪਕ
 ਗਠਕਿ ਕਪਾਲਵਿ ਪ੍ਰਯਮ ਮ ਚੁੰ ਮਨਕੀਯਾ ਪੁਲ ॥ ੦
 ਸਿਰਿਗ ਸੁਨੇਯਾ ਕੁਡਾਲ ਵਲਨੈ ਸੁਮਾਲਾ ਮਲਵਿ
 ਹੁਨ ਸਿਕਾਨੀ ਚਨਿਤਥਾ ਪਕਾਲ ॥ ੩ ॥ ਘਨਾਂਤ ਮਤਥਾਨਾ
 ਗਧਥਾਨਾਲ ਸੁਮੰਸੁਨਲੀਨਾਲਵਿ ਲੇਮੀ ਮੁਖਾ ਚੁਧਾ
 ਕੁਡਾਲ ॥ ੩ ॥ ਜਾਨਾ ਏਵੇ ਹੁਤਹੁਮਾ ਸਮਿਹੁਤਾ
 ਲ ਨਾਲ ਹੁਤੰਗਮਾਲਵਿ ਰਾਲਿ ਚੰਦੇ ਹੁਤੰ ਕਦਿਮ
 ਰਾਲ ॥ ੮ ॥ ਹੁਤੰ ਸੁਮਾਨਾ ਹੁਤੰਗਮਾਲਵਿ ਪਲਿਕੰਤਾ

डिधर्व नमाल वि मधवुतु निधन न। छे मे विठल ॥ ५
 यलिव निमभयोग। सुभिक्षे मा काल मिया मरि न के
 नि काल वि गुरुमबू ल के घा व नि न न ल ल ॥ ७ ॥ ३
 छे पा सुकाम। त्रिधा डाल त्रि छे पा छंगला राल वि
 वनि छे पा नये वना। मभी घा नली नाल ॥ १ ॥ मन
 भा के या। वने गाल भाग ल नील क रू ने या छे या माल
 वि गण्डना। मरु प यभि कलिकाल ॥ ३ ॥

चिवाल लघु वडं नं ६
 छं मरु म नम। छलिल यना गण
 (छे)

भक्तिदिवा कुवाभिया। पुण्डं धन। लटि मकि डवडं ५
 पीपुललात्रा नटि मंला र्दि। हे गुभा विठर ॥ ० ॥ मम
 गनवाष्टना ठक्तिवङ्गला सकुडमि भसुया। सकुमषा
 मला। थक कुडा। मिय ममुछे ५ मरुम ॥ १ ॥ जगताम
 भवला ठगयम भुणीण्डा भिमा। पियम ममला। मुह
 वेषा। मर्थे। गकि वमनः ॥ ३ ॥ जना। कुडा। भापमं ५
 ननम ५ लहंन मिय ममुये। गिये ५ ठरुमं लहममा
 दिप्रममा। लम ॥ ८ ॥ पूकम कभिडु। थप्ये। धा। धुरे
 पा। कभिडु। धभिनेम। धिमवीपा। मिड। भि। एं। डि। डि
 नगुमैडा। लम ॥ ५ ॥

मङ्गलवास्तुनामनेकनागवर्तप्रयाहोपासगदना
 मण्डोमिभालगडंधाम् ॥ १ ॥ हेचमत्रुद्रुमम
 मन्त्रमकमनमिभूकोनधुमत्रुद्रुमकुमभेडावर्ये
 तप्रयाकाशम् ॥ १ ॥ प्रयाधिडापाठियप्रयाभि
 धलापाप्रयादिनिष्ठेगोप्रभापाणमत्रुभयाहेहेन
 भेडाठिभाम् ॥ ३ ॥ मन्त्रमन्त्रमप्रयाहोपाएला
 धाममन्त्राहेगनेकाभद्रवलासंभामपद्रुप्रयाभय
 म् ॥ ७ ॥ प्रयासमन्त्रमापाभिभूकोनधुमत्रुद्रुमकुमभेडावर्ये
 योकोनधुमत्रुद्रुमकुमभेडावर्ये ॥ १० ॥ प्रयाभलाभद्रुप्रयावर्ये प्रयाहे

प्रागडा रुडा प्रयाभिभति प्रया जनलिलवा प्रया उ
मुद्रा ॥ ०० ॥ नील क र भनय प्रयाग भाभा भाग
गभा मया नथाय गग नधुनम भाहि कै निहिन मद्रा ॥

नया छति ॥ ०३ ॥ नं ७८८

गि ३ काये नमल लवि नल नल लवि नल लवि ॥
भनभसा लेभा भंणाल ल नवषा वमनय मयभाह
कण एवठा पुगनय मकु ल भल वि ॥ ० ॥ भुति
नगा मडना नव नधकि एभमभ नल हव उमडं क
जि क प ल वि ॥ ३ ॥ धन ल नि मय भन मुन न न भा क

गलिङ्गनिहृदि घट्टा मुनमा हवषठवषट्पुलवि ॥
 जलगाया मडिहैया भीलगा गण निमुसा डमका
 मडुमुडिमुनि पडापलवि ॥ २ ॥ गगी हटा सुटठकि
 ऊपमना हगी हभपन ना यम वगना लुगना मिय
 मेठलवि ॥ ५ ॥ कभा रेण लेठ मिना ऊपा गकमा भी
 वा ह्वे वना सुना मिनुना मंभा कं मुनिकलवि
 वडि निधियड नि मिड मे विमुमभ धकि ऊठे म ।
 हभा कभा दिसकलवि ॥ १ ॥ मद्राय ह भाय ल
 तमुया भंला मविमुमकली नगीना हे ० ला निग
 मूवा विमुम कलवि ॥ ३ ॥ विमुसा नगीनी या

मयायेन मयूकामा मयनम मृ० डी मीनं हृन्म क
 डाकाना कभदलूवि ॥ ७॥ म्दमगिकयम एहिम
 हीणा मुद्रमीनधुन मितुनका नील ककन एपा
 भापल वि ॥ ००॥ नं ४६५

ॐ सुदहिषा निमल मवया मकिया निमय कगिनान ॥
 समभीषा होमिग धुभा भिमवभा एवा डवै ही निगुं
 येनग कनेक भिमंकन हं ० निहिथ मद्रुन ॥ ०५
 डावमेभा मना गय मडल म्दक ममल मभीषा ड
 नगुभा संशुल ममल मभी वा भिधु भेडा मला यमेधु

गलिङ्गं निहृति मरु। मन्म। हवषठवषट्पुलवि॥
 उरणागणया। मुडिहेया। भीलमग। गणनिमुसाडमकग।
 मडुमुडिमुनि। पडापलवि॥ ५॥ गगीहृद। एहठकि
 उ। पमन। हगीहमपन। प। वगन। लगन। मिय
 मेमलवि॥ ५॥ कभाकेणलेममिद। उ। थ। गकमा। भा।
 वा। हे। हवग। दन। मिनुन। मंभाकं। मुनिकलवि।
 वडिनिधियदुनि। मिडमे। विमुमथधकि। उमम।
 हभा। कभा। दमकलवि॥ १॥ मरुयहृधायर
 ह। मया। मं। मविमुमकली। नगीन। हे०। ए। निग
 म्। वा। विमुमकलवि॥ ३॥ विम। म। नगिनी। य।

अपि येन मयूकामा गगनमृते डी सीनं हृन्म क
डा काना का भद्रा वि ॥ ७ ॥ एतन्मि कथम एतं हि म
हीणा मुद्र मीत धुनं विनुनका नील क रूपाणा
भापल वि ॥ ०० ॥ नं ४६५

ॐ मुद्रा हि पात्रिभूत मवृत्ता मकि या निभयं करि नाग ॥
सुसमीषा हिो मेरिग धुभा भिन्नवर्मा एतं वा डवै ही निगुं
यनगळनेक भिमं क न हि ० नि हिं य म सु न ॥ ०५
जाड मेभा मना गय मडल मिक ममल ममीषा ड
न गुभा संशुल ममल ममीषा भिधु मेडा मल य मेव

लोककुचभार ॥ ३॥ छडा जमिमाभक्तु मललेया गुमे
डा कडाभयमा कुलेया मेदनाठवया भिमेउलेया
कुकुनमाभक्तुसनएव ॥ ३॥ छडमेमाएला मि०ः नि
मला मेदक० कमिभित्तुनं० ला भित्तुनं० मेनं मक्तुम
ला सुठमेभुदपूएएव ॥ ४॥ येभुलमेद मिठभुमाप
ना मय भवमेभुका मठिमावा येनामीहेमा नकिंजा
एनावा मेदका भक्ति कुष्टुवाव ॥ ५॥ सुष्टोपादवृष्ट
मएनीवेष्टना मगी मिहेष्टुनी मिमष्टुनी नकिं एनी
मेनमाएभुदठमाव ॥ ६॥ सुष्टोपाधनमाहुनीवाठि
नं ममा मएगा पुपमिउमी कुठकुमव मिदोवा मीउ

छंदं प्रयाभष्टवेष्टन ॥ १ ॥ मिमिनानाषाष्टियांनानवा
 धननिनवेकाधूठावाठवाभिमेकमयायनेमभकल
 वा मष्टियांककनामिमभान ॥ ३ ॥ षष्टिया ॥

नं-९

छिमियांमभगयभाठिकल्लायंडं पूरैकुडाकुडाकल्लायंडं ॥
 नमीछलागणयकेनाकनै सुगधुनामिहै नरणावनै ।
 कषाकेनामिमियांषं मल्लायंडं पूरै ॥ ० ॥ कुवथेकिभठिया
 धनेयामिमिहै छगभाभिदिमनंनगिडादिदभन
 धमल्लायंडं ॥ ३ ॥ धुममल्लमैगममल्लुकीनाल्लमम
 ठंठुल्लंठिमीनामपडमिल्लमयावल्लायंडं ॥ ३ ॥

^{मना}
 मियां डन मापा किना मरे धियसुत मप्रतु भजिया ठरे ।
 एयकुव डडा कनवमा रालायेडं ॥ ८ ॥ मिया मनु कमुम
 गळ डया मगना मया वदि मयका मया वगना के भिहं नमुते
 मालायेडं ॥ ९ ॥ वदम डरे यमगयं मिया उकुवथे
 किधुना धियं लला मयना भिमाल मालायेडं ॥ १० ॥ मगना
 गडना छेपा धलवेना हुण मप्रण छेपा गलवेना नवा
 मना छेन गे मालायेडं ॥ ११ ॥ कषा केना प्र गुदं नीगी प्रय
 यप्र मल लहेगी प्रया मपि मपि हंगला रालायेडं ॥
 कनउया मिका मनकनवली छे वनमाला मिका मिठना
 नली छे मंगल मिका मया मालायेडं ॥ १२ ॥ कषा ह

यश्यागिण्डापरेषा गयमैष्ठुडा मापममभाठणीषा
 नवि विषाभिमनुंरालयेडं ॥ ०० ॥ भीरुगामुनेया
 हेभायका ना वेल्पागुल्ला कगमुलका ना नीरुक्खे
 याक्कपालयेडं ॥ ०० ॥

 नं १००

तं पूर्वैकैवल्लकैवल्ल योगमुत्तुठविंमुल्ल ॥ ०१ ॥ विगभाषा
 कनिक्कल यल्लिमल्लनंभिपयुनील्ल ॥ ०२ ॥ यमाकलि
 मुत्तुवडिउमभया धुमिठ्ठिणीकाभियनपभया ठ्ठि
 रमाइवेष्ठाउत्तुभयल्ल ॥ ०३ ॥ मुनाल्लिगिदिक्कल्ल
 वा कभिल्लिदिक्कल्लया नमयेष्ठा ठ्ठिभुक्कागगममुत्तु

निगल ॥ ३ ॥ भवाम्भनं हं भलगुमंडा भेदेकैया
 भगिा हं भिष्टुमंडा हुनगंगल्लभला कलाष्टल ॥ ४ ॥
 भेसल्लडं लं ठं सुनेया ठ्ठलीनमा ममा भिकुलने
 नेया नल्लं वडिनेमभल ॥ ५ ॥ नगयन कमा
 ठनामाना हुननंकीषथनी एनभावा डमानगड
 वडल ॥ ६ ॥ गहनयत्रया भंल्लुतिनीगी वेहंनल
 कष्टगयैवत्रुधीगीवी ठ्ठल्लुति ९ कमष्ट भवल ॥ ७ ॥
 भवाकथीगं मनष्टाट विनि गड्डेडी ३ सुलवेमिति
 गलेभला ठ्ठकीगमानिभल ॥ ८ ॥ ३ ॥ ११,

विहस्यभा मंण कौनन च विम्विनासिडम ननुलले
 ठायु नललै मनिचडम ॥ ० ॥ मिमनलण्णो ग्नासुह
 दिमनेमा विमनवनमा हेभा उरमा भुनमम मणम
 सुडम ॥ ३ ॥ कुमलुनननगम गीगियां काय चंडा
 सुनैया निषाणय वेळि वडे वाधिडम ॥ ३ ॥ सुनि
 मल्ले गेथल्ले ठवषाल ठायु दिणगषा थल्ले डमनि
 मल कीगापल्ले किडम ॥ ४ ॥ प्रणसुह नकी कनि
 हनणि थल्ले काय सुनि समयडा ठवमगा प्रल
 यमंण नैडम ॥ ५ ॥

ॐ सुनन गन ८ १० भुवि भापमबू रजनशुनि ॥
 गडापिना काना हेभा मिनुना पिन ९ छेमं गला भना
 रं सुगयेरिग सुंनु ॥ ० ॥ गगा मृना यभा हे भनभय
 भाउ ९ गडे रिनभया भुना मापा मिमभा केभा एनि ॥
 गणना ऊं निभरग ए एणि भुनि सु रनठ ए लोप
 वाभिहृण्णभाल नि ॥ ३ ॥ यमं कुला मिउ भिमो
 ग विषा डुवैषा कगयिथे रिग मरुकायि एणय
 लिपूण ॥ ८ ॥ यद्वै ३ भुट कषा ऊणापा मेरी ३
 मेरी मेरी दूग रूण एणापा दूण मेरी दूग रूण यभ

नि ॥ ५ ॥ हिमडडी भया भत्र सा हिम सम डवदिना
 छनिध नमडला कए कष्ट ॥ ७ ॥ कर्म की निवमा
 कर्मगंगी गामठा ठनीषा ठगी भंगी चध ठव धडल मल ठाँ ॥
 कभनय मकुडा कनभा सम डभि ठमु मा जिना भा भू
 पद वै मिण्ट ८ ॥ ३ ॥ समेमा एला छय निमला मैदा
 कए कभि कुनं लला वसुनं कष्ट मेनभा ॥ ९ ॥ कना
 धवै न गुमसूना एग किन भाषि भू वूना कष्टे कुम्भ
 गी निहानि ॥ १० ॥ कर्ममा एवा मूनमा भा भमग नेम
 ठनिठिदिना ठनि नना भ मून गद सुनि ॥ ११ ॥

ॐ पूर्ये मिमि कर्म भद्रं लो वीर्यं लो विष्णुं लो ॥ ममा
 सुमेधस्य नवभा सुदण्डाष्टिपासा कवभा गजैव
 हेमा षड्भुजं लो संलाला ॥ ० ॥ हे मे सत्पुत्रो केशो
 ममा वैद्य हेमा कुन विनीयमा डवै हे मिडा गुमिडा सं
 गला ॥ १ ॥ डहेमा भना बडी कला कनवमेडा
 वमना ए लना भिकमा महुन मृया गंगला ॥ ३
 हे मृनेया सुमनेया मन्नापा मलना मापा रवा वि
 डय मापा भिमैया ठु गलिं भळला ॥ ४ ॥ कळी
 हे ठा ममेडा कमेका येश्वरना एन हे पमीका डिलेना

ठगैनाये शूबुल्लो ॥ ५ ॥ गळिभडा हन भडिषा उ
पमेना येव ठामिदिं मुधूमं एण मना के न छे भाये,
मठा वकी निमीडला ॥ ७ ॥ जखु हे पुनि प्रिय मेका
भिडा कीं मन डचा भिनना मन गुज गकि येळा वम
नानिम्ला ॥ १ ॥ भिल्ले ना गुळा त्रालडे इभा ठने
नडिषा भडा गुळी उडभा छे भेद न वा येभा केवल ॥ ३
मया ऊं रिं मुधि कनिके वला कीं मनुग छवि दिनिम
ला कल्मा येव मं एण दलन कमला ॥ ७ ॥ रंडं वि
मगा मयें दे वला ज्ञाना काभा मित्रु सिद्धंगला जखु

मधुकामहृदये मल ॥ ०० ॥ दगे विनूकमवायुनेम
मनिमलमिमेमने भिकलावाकाममाङ्गमंनल ॥ ००

ॐ, १४

पिम्प १७५ धनायेमि मनुना रमै ५ धटनायेगी मं
ना रहगी पालमी नननना मभङ्ग पाणवेना येगी
मंनुना ॥ ०॥ म्मिकयष्टा लूनमषाय वषममं
ना वडि हय १ मयमग वयवेनायेगी मनुना ॥ १॥
रहिवल पातुमि ५ डमवे म्मना मंनल उमल पूव
लहकहमवैनायेगी मनुना ॥ ३॥ रहि मनुनि

मैकलिभरिणि वटुमि। कडिभनैणमिणि गुमडागुमा
धुनयिगीमनुना ॥ २ ॥ भमवुभपेय पिहिएभाभिलि
मिवमैकरिभनैयाधमा कम्मलेनिमलिगेनयिगीमनु
ना ॥ ५ ॥ मजीययाभडममा इममो रंमेषाउभकैयापना
पुो निमिड्डड। म्भुनयैरिमनुना ॥ ७ ॥ कंभनम
मैकंलीगीवव दंमदंडवीषाएनैनावुपं कंभमाभावे
नयिगीमनुना ॥ १ ॥ भलुदामेड्डुग। भामेकएएगाभी
ठभगणगमरुभवगा मभमैगभवेनायेरिमनुना ॥ ३ ॥
गेरिठयवडिडुगवाएभा। राना। वमूवववडमडि

गङ्गा गैकुलभादि विनायेगी मनुना ॥ ७ ॥ नमू
नमूकगी प्रया। लयमानम गण्डधुडलि मनु/द
न यम। धियभा वमपूना येगी मंडना ॥ ०० ॥ गैथल
भाभटेयभा लगुभा पाडलनगवलरुगि रगुभा
ललिभंल लनेउना येगी मंडना ॥ ०० ॥ मनिदि
दया। मना कभिवनना भनिभंल ठभिवकेन
नना वनमै कबल रेना येगी मनुना ॥ ०१ ॥ मडा
गयभिडभ भुडवड गगना कडडडभिया छंडनडभ
रथना भडनमै भडा धना येगी मंडना ॥ ०३ ॥ ल
नुग। उमरेभिया वनमै नरि मुल वना लरि थना

धनभावभा लला मंवा, ठभुना येनि मनुना ॥ ०८
ममा डी विमामिना न विपुड नना कममभुकि मी
भा निपलवीना ठभुना भममु यीनि मंडना ॥ ०५ ॥

नं १६,

ॐ धनि धनना छेने ठभुमंडय, ओ भडय मंगना भावा
मनुनिमल शत्रु कामविनय, ठभुविनायि भमगिरि
ना भिवसुमि नलापा ठिलमंडय ॥ ०॥ नरु ठभुषा मं
गना भलमंडय, ददि ठलंगा एदि ठभा गंगा, किकि
मंनु टिकि ठलमंडय ॥ ३ ॥ नलापा विलेसा डी गी

विठाय। दुभयभान। कान। विनडी। एनहुगिउमजम
कडय ॥ ३॥ हेमिह पनाप। योगियया। एनीवा। ठगा।
इवीषाहेभा। मिाठगा। कभम्वमा। ठम। कुममेडय ॥
लेठा। कैठ। नै। नदी। मठिल। म। सुम। उडा। ए। कभम। नै। नै।
ममैना। कालि। सुमैडय ॥ ५॥ गणिसं। कुल। सुमि।
भा। म। हे। गी। वमा। मकि। डधु। मठि। पूय। युडा। सुमैडय ॥
ठे। ए। दुभय। दिम। विम। नी। भुमी। महे। विन। षा। ठ
ए। पमि। व। ले। प। हे। ग। षा। ए। मैडय ॥ १॥ सुनि
मन्न। न। ग। वि। ड। म। कये। ग। या। इ। हे। म। या। ठ। ड। म। म-

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥ हे निरुपनमाष्टप
सु मनलनी भगवतयोगियनदिनहिमदग। एतु एगि
देन। भगु एमेडय ॥ ७ ॥ योगमययभंयगाकगीषु
या। प्रियमठगीषया कौंठापा मभंवर। वधुमंकाकगीषा
नरभडिय ॥ १० ॥ ठग। एगिदिन। वगागळिवलेना। ग
लेना। गळि मधुमंवर। थलेना। कभवेन। उनेभेडय ॥ १००
दिना। ठवनना। ठयभिया। कभना। ठभना। भिया। निषा
ननिनना। भला। एगिदिन। हला। उवभेडय ॥ १०९ ॥
हुना। कभुठिया। लेननिवळया। कगीषा। विभगनना

किं क, मापमकिमुनिहृ नालिमुडिय ॥ ०३ ॥
 स्वमुकामपधवै नय, मळाकमसु नमुमगा, उभि
 हुनिलेकाविमज्जडय ॥ ०४ ॥ गंकिन वुनिहोपा
 वमंवर, मज्जनमभिज्ज, मूवासुमे मुकाम
 षडय ॥ ०५ ॥ नालयै डडललडय, गमैकाठ
 मायतु वनि मुं, ममाठकुग धीनिएना षडय ॥ ०६ ॥

नं १६२

उ वनिहभरमावै नू वनभया कषावत्रभया गडनं
 हया मज्जुपिकाहै गिलेखा मंला मज्जुभया कषा ॥

[illegible]

एमाथुहृष्टयोगाकभस्त्रभया ॥ ५ ॥ सुमनाहिरुता
 नमालयभाधमनेलवगगेविन्नगे नमविन्नडगले
 रस्मीगववयुभा नमगगेभीमेदं मे लकिथय उडा य
 भया ॥ ६ ॥ कलहाभिरुहिरुकिहिराभूडेरवा वमउमु
 भवेनाठठनमभना धनमलेउमकलेनवा ठठग
 सुवा गेनना नमलालभडीभना मभिवडाकम
 भामहृष्टभनभया ॥ ७ ॥ ५ भडामूवनैवनिभेया मनेष
 भनत्रैभनभूगिषुया हनयोगी पनाकाएनेषा गि
 पनलेनभगीषुया भकडाकगनिहृष्टभनभया ॥ ८ ॥
 मयमेडा लहा लीवाडभभया मन्नभया मेवडभया

गोपलमिया गुरुल के या गिला छगा मरिदिमऊ न
कडि छे मऊ डे हगा भीन भुमगा वनऊ भावै ल डे एग
नीलनग भाएग मापिण हंमगा मऊ गळ छवा मुठ
मऊ लल ॥ ०॥ ३ ॥ ४ ॥ मऊ निषा कल न वेषा
निधुला मना मिधुला एम मूवेषा एगी ठम के या म
ठि एम एम हवेषा नम बिनु येग निमूय मवीषा ५
वीषा मऊना मिमू मऊ लल ॥ ३ ॥ मूवा लीवे मगीम
निमू या वरिय मू लड कडी उट्टा मने या पाया मयव
हिमू डिग मीका छेपा मठि पूया नलूग डऊना वलू
न लूग छेपा वया ममी मयन डेन छेपा लल ॥

वज्रनेके लिङ्गनकाठिय सुठमाग। पठिगवर्गि भोक्तमा
 धमसभमा। वधुललावमभमा। ललु मयमयमा
 डने हनभसुभुडि डमका। मभभमा। मही छवतुलल॥
 कभकलाण्डमि कात्रना। ण्डग। भगा सुमा। मरि कायदि
 काहेभमा। वंभनवेकंभेना। कांलभंका। का। एगिदिमा
 का कभतुलल ॥ ५॥ गेग कुरुभा। ललिभंला। ललन
 उना। गेग कुरुभा। एगभा। भंला। भेउना। मेरि पूयभेका
 मणगलि९ मउना। नलि मभना। भनदेउलल ॥ ७ ॥
 सुभना। छल भगना। वयेउरा। भेग। एगिदिमा। एल-
 लनग। गिनिभे। मेरि यना। पुंरिउ। ह। मभेदंका। मउ।

गिपलामिया गिगुल के या गिला ठगग। भरिदिमऊ न।
 कडिह भऊ डहग। भीनभूमिवावनऊ भावलडैएग।
 नीलनगभाएगमापिणहुंमगा। मऊगळडवा। मुठ
 मऊतलल ॥ ०॥ उऊऊऊ भना निषा। कलनवेषा।
 निधुला भना मिधुला। एभमृवेषा। एगीठमके या। म
 ठिएभएभएवेषा। नमविनयेग निमूयभवीषा। ५
 वीषाभून। भिमूभनलल ॥ ३ ॥ स्वासीवेभगीम
 निमया। वरियमू। एडकरीउह। भनेया। पाया। मयव
 रिभडिग। मेका। एपा। मठि। पूया। नल्ल। पुनना। वल्ल
 न। लड। एपवया। एपा। गे। थयन। डन। एम। उलल ॥

वज्रनेके लिह्युनवग। ठियमुठमग। यकिगव। रिभोठभा।
 धममभग। वधुठलन। वनमनम। ललु मधमधमग।
 ज्ञेह्यनभस्येभडिउमकग। मभमभग। महीठहवतुलल॥८॥
 क्ककल। णउमि। का। नुन। णउग। भग। मुग। मरि। कयदि
 काहेभग। कंभनवेकंभेन। कलमंठग। ठग। ल। गिदिम।
 ककभतुलल॥५॥ गे। ककुभ। ललिभंण। ललन
 उन। मी। गकुभ। हग। भ। भंण। भेउन। मी। धूयभेक।
 कण। गलि९। मउन। कलि। मभन। भनदेउलल॥७॥
 मुधन। ठह। भगन। वयेउह। भे। ल। गिदिम। हल-
 लनग। गिनभो। वीनियन। उंमिउह। मभेकंभग। वरु।

सिमानिभनभेदतुलन ॥ १॥ उचिर्भवणभाडालाठि
या सुकमा षुम्भुडिदिदिनिमबूधूकमा मधूकम
ननिवद्यामिन्कमा ममाहङ्कुगलनामिभूएरुतल
रु ॥ ३ ॥

३९७

चिवालनधुसुठयमेनेष भन्मभन्निगुमाठारियोष ॥
कमिठालवलाहमविहडधुनाकला नन्तरुतर
उहाकुठकला ममाहिवमनामरि ३योष ॥ ०॥ वर
मगीधुनेया ७एनम नम ठरिरुयना हमेरम गणन
धुणययारियोष ॥ १ ॥ गेलकलिहंगरुनाकुड
मगनादियडना नवेषा हमेरुयना कलनेडयषा पम

वरियोष ॥ ३ ॥ महारुभगण धनिलाल नृमोश्च
 उमेरि पयल इव सुवतु वतुवनवरियोष ॥ ४ ॥
 जनेगीषा भुवलीषमा उ विरुकिनै लल्लुषमठ ॥
 एनवु मठ लरियोष ॥ ५ ॥ गदा छिपनमा कमा छि
 डापा भोग लडा करि वीटा किना धना उम्हा नू लि लि नि
 देहा गुमा भरियोष ॥ ६ ॥ उया छि पल मकठ धायमा
 येमा गकि धियम पी कि मियम कु दग गकि मीया उमा
 करियेमा यमा लरियोष ॥ ७ ॥ नीलक नू निली वन्यून
 भापा दवा मापा दग वन पडी मिष्टा नू रियोष ॥ ८

मैत्रस्य कान् ॥ १ ॥

नं (२०)

विं गोभयना रुचि कहेया लह गेपा रस मै न ज वा ॥
मृदु यत्रि मडि मनुष्य ड वरि तया मण गणय वरि तया
विषा मय कु न निभरि मण ॥ ० ॥ एष मव के नहे
विं मणय ए न हया मृदु मषाय पिड वरु पम-
ठिय मण डल ॥ ४ ॥ मं राल गी धा मय मा गैलि
तया मणय मवै लि तय डल याम मव व म न न न
तल ॥ ५ ॥ मण लण्ड ठिय वरु डल मैया मलय नकु
नकु री यु मण म निभ डि नली तल ॥ ६ ॥ गवा मनि

मडापवत्रत्रया। वेम्वनमय। मंल। गिनि ठहापा। नरी
 नल ॥ ५ ॥ गगवहुपा। वधमवम। मधिदिमुल। ठि
 यथचडी। नरीवरीडय। ठियकलमल ॥ ७ ॥ मिव
 मंका मेवकन। कपहट्टेका। मभि मुवा। लला। मलयड
 भापु मुनल ॥ १ ॥

३२१

तिनध७ ममेधधजनय। मल्लैयय७ कहुहिव। मनय
 नहमंल। गगा। हया। का। म। हट्टग। नल मंलै। ला। ग
 मा। ललकल। ललिन। ननु। उनय ॥ ० ॥ नहेहै। मा
 पहेडै। वली। मलै। मुनेचमु। मिमलै। ममममगनि

[illegible]

श्री ॥ ३ ॥ मदिफलम् वषावय ॥ पठेयलंगकृष्टवय
 संललमनष्टि निरुह्यै ॥ ४ ॥ गेपीष्टकाधुनैकले
 विरिष्टाष्टिकागना निमले निगिड किरी गंगै ॥ ५ ॥
 कैलमवसमापै दिमै वलमापमना मुले ममै नी-
 लिपमा मियद्विडिभक्तै ॥ ६ ॥ भक्तुत्रयागभीषहि
 भक्तुत्रयागभीषहि भगन्ना ॥ एनाभलमिडिह-
 मक्तै ॥ ७ ॥ नमनुलमना वषावय ॥ मन्नाष्टिकागना
 दवडं ॥ मलनंमपड मपै एना ॥ ८ ॥ ३ ॥ वीष्टुनायमी
 वीष्टुनायमी यमादृष्टयायी ॥ मन्नाष्टिकागना
 उक्तियदलमै ॥ ९ ॥

सुनसुगीविचकमवै। एतन्मयप्रसूदनं पीतांबरं वि
 शेष्वरं ॥ ०० ॥ नैकमलभाषाभिलाष्टकत्रयमं
 दाकनमिष्टि। कलमाष्टक। पृष्टकाष्ट ॥ ०० ॥ समन
 द्युनाकिलमकुल। किराउडेहोपागमादक। ज्ञानापीगं
 गण ॥ ०३ ॥

२५३

तिमसुकलभाषुनि यद्वेमाष्टावनि मणमणिसुणमै
 गीगीकाय ॥ ० ॥ मद्रागमगमभ्राय रक्ति ३
 १५लिमभागी ॥ १ ॥ काहमीकिसाग रमकमामेय
 भा। पंड ३ष्टि ३गी ३काय ॥ ३ ॥ कियठमत्रांगष्टम
 यनष्टुठलिमम लंष्ट ३मिनि ३गी ३काय ॥ ८ ॥

विभक्तकनिष्ठागापुष्टिमाडपन्नमाहं भदिसानमाथप
 २॥ सुकमभमवधेनागनिष्ठेमागवठनकनिष्ठेमाभ
 दस्वडभयठनाठवभिडहिमाचुनभानमा॥ ०॥
 निकटकमकुंथूलानाहलमावर्लिकपराहिमा
 कानागह्निगवप्रविष्टहिमाभुडि एभानमा॥ १॥
 मिद्रुगुह्निमाकानाभानमाउन्नु एहिमाभनगह
 लठगगण्ठाएषवमेठधिणठप्रानमा॥ २॥ भड
 धिमडाएलाभं एदिषाठनमाकुयंगभलवषहिमा
 हकनाभडवैगडेमेहिमादिषाविमानमा॥ ३॥ गंगा
 भगादिषाहिमागेग

नमः ॥ ५ ॥ नमः सधाम् नमः विहृष्टम् । एधकाहम्
वृष्टविवम् । प्रभृष्टम् । मङ्गिष्टम् । धनम् ॥ १ ॥
नमः गिरिस्थम् । नमः विहृष्टम् । नमः विहृष्टम् ।
नमः विहृष्टम् । नमः विहृष्टम् । नमः विहृष्टम् ॥ १ ॥
नमः विहृष्टम् । नमः विहृष्टम् । नमः विहृष्टम् ।
नमः विहृष्टम् । नमः विहृष्टम् । नमः विहृष्टम् ॥ ३ ॥
नमः विहृष्टम् । नमः विहृष्टम् । नमः विहृष्टम् ।
नमः विहृष्टम् । नमः विहृष्टम् । नमः विहृष्टम् ॥ ७ ॥
नमः विहृष्टम् । नमः विहृष्टम् । नमः विहृष्टम् ।
नमः विहृष्टम् । नमः विहृष्टम् । नमः विहृष्टम् ॥ १० ॥

सुखाकाभनमुधमाकापुलभातपुमाप्रणयमिव
सुमाहागाएहपुमागलेसहजमा॥ ००॥

25

सिं भिन्निहृदयेषां विष्णुदत्तं महागम्पडं हुनं गायु।
 नरैर्हृत्परैर्महानगैर्नृदत्तं विनायकबलधराय नमः
 गम्पडया जन्मिभक्तम् ॥ ० ॥ ७ नृदत्तं मायलितेषां मनः
 कम्पं दत्तं विगैर्हृत्पराय महाबलवद्वैष्णवं हनुनादम् ॥
 विष्णुना कृतं नमस्कृतं भक्तभाक्त्रिषां लिखय गम्प
 मापठवेनैर्हृत्कम्प ॥ ३ ॥ ४ गवतं माठेल्लेषणधम् ॥
 सधुधिगमन्मयेसुय वरुडं ह हृत्हृमदविमम् ॥ ८
 ह नमिषा भक्तधकम्

मकरावयममंगयतुमेणी जीवा मुक्त ॥ ५॥ सुतु
मक्रिजुनिदेमुद्रिकान् एकपत्रु पउउतगयु मिवहृमि
एपि विप्रुतुन ॥ ७ ॥ पममक्रिजुनिमवाकन यका
भइविभुगयु तालमनू एगउका छिपा विवक्त ॥ १॥
नरहृवक्रुग गिला मयान् मउऊरा ठनिमक्रुग य ।
मुनिमठगै लठमठन ॥ ३ ॥ भइनयकमक्रिजुन ५९
कषागनपउकाय कपद्रिनकगउरा धुनेया मुक्त ॥ ७॥
वरठभुडीहृमं पामुन मवमहिवा मगदविदगयु ।
मुउताकमनाकात्रुक्त ॥ १० ॥ मविहृमहृम
डिमन मक्रमुडिमाया गलावगय पममक्रुमुडिमाये

मापाङ्क ॥००॥ मुखकवचनङ्गावन् प्रभुवल्लभं भाग
भय यमुत्तवभामिडतद्धमाङ्क ॥ ०१॥ ५५

पुत्रोत्तिष्ठति वैरागवै ल
लगावै नगयन् प्रियमउमे
अंरिग देयउता नवै पुषावषडुमा पि० गुमना
दुषयेयनाङ्क पा गवगवै ॥ ललिमंरा ललिल
लगावै तुलगावै मीठ सुमना मेरी गावै मीलि
वैरागावै ल. ३ कामर वैनाम सिापगावै पाभष

विनं कर्ग कुडा रिषन/ रेभ३ रेभैराम गम नवे लल-
 क र्म ना रुमा सुरम नवे, लला कर प्रया येरी मनुना
 रं द लु क भे उ/ उरु कु ल ना वै = ५॥ शिवा नाग सु उ
 वार कृ ल ना वै उव लल ना नाग सु ल ना/ मृ कृ वा वै कृ
 क नो रं सा न वै लल-५ = दं भ म गै वा ग प ल न वै म पू रि
 पू र भ म भ म ल ना/ दू द्ध भ म प न भ म क र न वै म/ न
 म ग प ष म ग वा वै कृ न वै म रं नि क रं म म
 पु उ र क न/ भ म क र ना भ म पु र ल भ म म र वै म

(ल ल)

दलपान उमपङ्गव नवेभा दलकुभिभ
डिनलपुङ्गव निवमभु मुटकुल नवेभा । न ।
मसवामे गभपिल नवेभा म नभउमाभ
नन के नभाना भाम नभुग विकुभा नभनवे
भा । लल नवेभा । ॥

मुडवरनी भाष्टाटभाय भेयगभयै गिरीयन
य ॥ नूनै यत्ता उभिभभुगना भद्रितना मम
मभभुगना नैरेभन नभनभा हृय । १॥
भनभयभिउभिभकुल कुभा वली नून उभि

कउल दीनुभा उष्टनभा कुउमितील काय।३॥
उममभ० दग्न मुनममना उमि काययीषध ह्ये म
भना नगभा मरुग उण लाय।५॥ वनमू भलसा
लक्ष्मी कुडी पउ मयभा उष्टनकी रिमवु नैम
किममम यगगुल कुल काय॥५॥ भगीना
भद० उल तीभममम वेग ग एग मस रिमग
नमा म पुना मीपन एय॥६॥ कवना ए एभा
मुउनं एगभा कन पउलु यनं एगी गभा मी
मन भनन ननन भ ह्ये म।७॥

ॐ उभनमिदलभषावीगुभा ॐ उमृक रिदप
विगुभा नगयभृमीमवा लक्ष्य ॥३॥ मुगवीग
यीमगन मीग मभि वाग्गउ ठुठल वीग मभि
क गे उवा भनय ॥७॥ उरु मुग लल एन मुव
नं शाप भन तिनेन रूवनं विह धृभा लभ
क भि मृय ॥१०॥ कभन लोपनं मय ठिकमा धि नि
दीभी उं मृमृति ठीकमा मत्रिकग यीक मने
त्राय ॥१००॥ मील ठग मय ले मेमदे ते म्मे
लपुं धयग दी गेते गेते दीगमा ठकउन

भस्मय ॥०३॥ छद्मा वरु प्रय हुम् उभा रुत म
 मीषा उषमम् उभा सुद म न म्पु ला य ॥०३॥
 नभृहेभा निउगे की निवमया गभदमि हेभन
 दा सुलोपमाना दभमं क दनदा दं भा य ॥०४॥
 कृतिभनवगीदा भुनेय कृतिभनहेभा ली निरु
 नेया भगीगै अकिरुय ॥०५॥ ठिभग गयभा भी
 ठाकभा अरुमी भिमि वरु दवकुमा ठ
 वल अशिकाय य ॥०६॥ भमंभा कृते
 निगत्रय सुगम मकववा दिगत्रय

महानिबुद्धनानावाराठाय १०१॥ इह ५ कु
भंभद्रह ५ ह ५ कुभंभ ५ ह ५ पडीमा कु उपा
य। भेयगभये गियीयनाय भुडावराणीभाष्टात्र।

ॐ कुट्टेभमेभा दीग पिभुमवनभाभापु वतं
मिक्तगयभल लभुनेया० गपिगभैतिभु
मग्गीषापुन गंवल वाधि गील हस अ
ह ५ ना मीलक्त मिभक्तु के केय कुनयी
वाना भक्तल वतं केभा ठगेभसु नेया॥३॥

भद्र भिवतुं नद्र मिहियतुं दृढ मिहियमि
षवेषा भिकेभागदा लगैष मिहियेषभिउ
ढा त्रेमुदा उक्ता भिमुनेय येक भिमुनेया॥
गङ्गा गङ्गा गङ्गां भीतिं भीतिं गुं यीतिं प्रमत्तेन/भीतिं
प्रल्लिङ्गमा भद्रतस्मिन् भयनिय प्रमीषा मिमी
लभुमा कृतगये भेभुनेय प्रियं मिपूनेया॥
देभाभनश्यभा कमा ठा गिमुयमा दंदा उ
नम नुमा यथा प्राल दायमा अददा दृढ
शिवतुं नद्र भिवतुं नद्र मिहियतुं दृढ मिहियमि

दा १० भेभाये रुद्र लु नैया ॥ ५ ॥
 कुमान लमीवना मील छे भागीवना मणि
 गभग भुछेया ऊनयेवना वनउं भिवन नीम
 छेया ऊननेवना भेयगभ भुनेया रुहील कु
 नैया ॥ ६ ॥ कुमे कुममी गभम उममी प्रिय न
 भुम रुण के भायेषा भिकुमी छनदा रुद्र
 प्रिय भति दद्र विलभी गै विद्र भुनेय प्रय
 नेद्र रुनेया ॥ ७ ॥ कण गुभ सुका मा गुण गुभ
 निद्र ना भिषुग हुउरु भि मये षा मरना

विगदेकायेदा मुपिया सिंह के भ विरता दा
 व भद भाया क भुं नि निगनेया ॥ ३१८ ॥ गति
 वेना प्रदाठ जिना निमल प्राप्ता मीनना म
 यालना पतित्रुपालना कनका वडं अदिना प्र
 यना मना के ठक्ति म भमा कुं भ मुनेया ॥ ३१९ ॥
 कुठिमा भे भानीग प्रभवा वनमा भान्ना ॥

७

८

ॐ मङ्गल अच पद भन। गुभा उरि येंत पूरि पुन। ०
 ममा। कुमा। दगन। उरि उरि कुसन कैं कद्र लन।
 मिया। दनु। कैरि। मः पत्रुप भेरापागि, येत, ९
 उपा। कुगमि मुनि येके दरा कुभागि, मुदा। कगमि मुनि
 रदा। मुन।, दत गुभा। मुकुतमा। उत येत दगि, येत, ३
 वरु। पुग। कतुं मया। वारुभागि। पुगल। कैं। पा। मुभा। उत।
 लकु। नावि। गहु। कै। येत। महु। उरि ॥ ८ ॥ मारे ९ षवि मं

सुल से ठारि, सैल भति साल येंत मुना, विलउता
 मिलनमा गम प्ररि॥ ५॥ करुता पुगे/पुगे/पं माभा
 करि, सुग/उनु/येनै मुना, मन/मुना/मुनि एन नमु
 ऊदा/णरि॥ ६॥ गङ्गा ३ पसा/मिदा/दले/मन वारि,
 उम वया/ठर/दै/उना, येंत सन्नेन/देउ/देगिर/माभरि,
 सीर भति लगव वषठसवारि, नैरठति/हृषा/दल
 उना, प्ररि/मुना/पापमाग/यम/यए/दारि॥ ७॥

नवि पउत्रवा मया सादा चना तु मुनि, पुनिपउ छेपा
 मया पूना, कदल कव वग गण मेलागि ॥१॥ छि
 मउा गुल्ल मृना केमा विमुगि, दमा मृना कां मृन
 मृना, कागल्ल कलो गया मना छ विमगि ॥००॥
 कानउ नावा मृना सापाइ पगगि, काम रोनि कां मुंगुल्ल
 भाव भाउ छेउ मु पउमि पुगि ॥००॥ कळ नील कळ मृग य
 छि छालगि, वावा छेदा यउ वल्लना केवल मिक्कावा
 दुव नागगि ॥ यउ पुं पुगि मृना ॥०३

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः कर्ण/कर्ण/उल्ल, ॐ
भेदतु मया भक्ति रोग विरद मृनिमपनि मेग
गम कैया/कम वारुपैग गीता/पगना/पगना/उल्ल ॥ ॐ ॥
पैरु रोगि यत्तु रोगि रोगि मृण नेत्तु, मेग वालकादिता
मृत्तु, मृण देगना/देगना/उल्ल ॥ ॐ ॥ ३, वामुदेव मया
उत्तुमा, सप्तकुण्डलया कर्णुपमा, पद्म पद्म वेतिला
कर्म, भुक्तु गगना/गगना/उल्ल, ॐ ॥ ३, उगना/का/उत्तुमा

३
 मृनिठपडा वडा रगी उताउडा पूला मरुला कगी
 मरु वगना वगना उल्ल, ८, रीनवमनना वावउकना २६
 मरुमुतेना ऊगषपूला मरु ठपडा दे मेदना, उीमृग
 ना मरुगना उल्ल, ५, मरुमृ ठोपा मृया मरुमृ मरुमृ
 मरुमृ कमा, काम पेनना कग मृया मरुमृ माला देगना देगना
 उल्ल, ९, ठोपा मृया मरुमृ मरुमृ मरुमृ मरुमृ मरुमृ
 नै मरुमृ लमना लाल येपना मृया मरुमृ मरुमृ पुमा मरुमृ

